

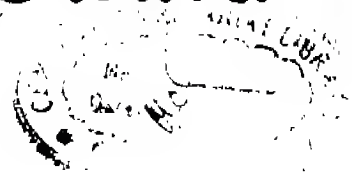


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 219]
No. 219]

नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 20, 1996/अग्रहायण 29, 1918
NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 20, 1996/AGRAHAYANA 29, 1918

घाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 दिसम्बर, 1996

विषय : संयुक्त राज्य अमरीका, कनाडा तथा रूस से अखबारी कागज के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच आरम्भ करना ।

21/एडीडी/96 इंडियन न्यूजप्रिंट मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन ने सीमा शुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1995 तथा सीमा शुल्क टैरिफ (डम्प की गई वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, निर्धारण तथा वसूली और क्षति के निर्धारण के लिए) (नियमावली), 1995 के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी कहा जायेगा) के पास एक याचिका दायर की है जिसमें अखबारी कागज के पाटन का आरोप लगाया गया है और पाटनरोधी जांच करने तथा पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए अनुरोध किया है ।

2. **याचिकाकर्ता** : याचिका इंडियन न्यूजप्रिंट मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन, डी-165, डिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली-110024 द्वारा दायर की गई है । याचिकाकर्ता भारत में अधिकांश उत्पादन करता है इसलिए वह उपर्युक्त नियमों के अंतर्गत घरेलू उद्योग की ओर से लिखित अनुरोध करने का आधार रखता है ।

3. **सम्मिलित उत्पाद** : मौजूदा जांच में शामिल उत्पाद संयुक्त राज्य अमरीका, कनाडा या रूस में उदभूत या वहां से निर्यात होने वाले ग्लैज्ड अखबारी कागज के अतिरिक्त स्टैंडर्ड अखबारी कागज हैं । अखबारी कागज सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के सीमाशुल्क कोड 48.01 के अंतर्गत वर्गीकृत हैं । तथापि, वर्गीकृत केवल निर्देशात्मक हैं और मौजूदा जांच के लिए किसी भी रूप में बन्धनकारी नहीं हैं ।

4. **सामान्य मूल्य** : याचिकाकर्ता ने प्रमुख पत्रिकाओं में प्रकाशित कीमतों के आधार पर उत्तरी अमरीका में घरेलू कीमतें दर्शाते हुए प्रथम दृष्टया पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत किया है । यह अनुरोध किया गया है कि इन कीमतों को यू.एस.ए. तथा कनाडा के लिए प्रचलित सामान्य मूल्य के रूप में माना जाए । रूस के संबंध में, याचिकाकर्ता ने यह अनुरोध किया है कि चूंकि रूस के घरेलू बाजार में प्रचलित सामान्य मूल्य उपलब्ध नहीं हैं अतः खण्ड 9 का (ग)(ख) के अनुसार उत्पादन लागत के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित किया जाना चाहिए ।

5. **निर्यात मूल्य :** याचिकाकर्ता ने डीजीसीआई एंड एस, कलकत्ता द्वारा संकलित आंकड़ों के आधार पर निर्यात मूल्य तैयार किया है और इसे सीमाशुल्क दैनिक सूची से संकलित सूचना के साथ जोड़ दिया है। कथित देशों की भारत को निर्यात कीमत के बारे में प्रथम दृष्टया पर्याप्त साक्ष्य है।
6. **डम्पिंग :** इस बात के प्रथम दृष्टया पर्याप्त साक्ष्य हैं कि कथित देशों से भारत को होने वाला निर्यात मूल्य कथित देशों की सामान्य कीमत से कम था। संबंधित वस्तुओं का कथित देशों से निर्यातकों द्वारा सामान डम्प किया जा रहा है।
7. **क्षति :** क्षति के संबंध में विभिन्न प्राचलों से उदाहरणार्थ शुद्ध रूप में आयात की मात्रा, बाजार हिस्सा अधिरोपित देशों से आयात कीमत और घरेलू उद्योग पर प्रभाव डालने वाले विभिन्न निर्देशात्मक कारक जैसे उत्पादन, बिक्री, विक्रय कीमतें, स्टॉक, लाभ और हानि, सामूहिक और संचयी रूप से प्रथम दृष्टया यह दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग को पर्याप्त हानि हो रही है। याचिकाकर्ता ने यह दावा किया है कि उसकी सदस्य कंपनियों ने उत्पादन कम कर दिया है और मै. नेपा लि. और औरंगाबाद पेपर मिल्स लि. ने अपना उत्पादन बंद कर दिया है।
8. यह प्रथम दृष्टया साक्ष्य है कि उक्त देशों के मूल के आयातित सामान से अथवा वहां से निर्यातित सामान से घरेलू उद्योग को पर्याप्त हानि हो रही है।
9. **पाटनरोधी जांच की शुरूआत :** अतः निर्दिष्ट प्राधिकारी कथित देशों के मूल के या वहां से निर्यात होने वाले सामान के आरोपित पाटन की मौजूदगी, डिग्री और प्रभाव की पाटनरोधी जांच शुरू करते हैं।
10. वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए जांच अवधि अप्रैल, 1996 से अक्टूबर, 1996 है।
11. सूचना प्रस्तुत करना : कथित देशों के निर्यातकों और भारत में ज्ञात संबंधित आयातकों को अलग-अलग लिखा जा रहा है कि वे संगत सूचना और अपनी राय निर्धारित रूप व ढंग से श्री दीपक चटर्जी, निर्दिष्ट प्राधिकारी, वाणिज्य मंत्रालय, कमरा नं. 243, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110011 को प्रस्तुत कर दें।
12. अन्य हितबद्ध पार्टी भी निर्धारित समयावधि में निर्धारित तरीके से जांच के संबंध में जानकारी प्रस्तुत कर सकती है।
13. **समय सीमा :** वर्तमान जांच से संबंधित सूचना लिखित में भेजी जाए ताकि वह उपर्युक्त पते पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिन के अंदर पहुंच सके। तथापि, जिन ज्ञात निर्यातकों और आयातकों को अलग-अलग लिखा जा रहा है, उन्हें अलग से लिखे गए पत्र की तारीख से चालीस दिन के भीतर जानकारी प्रस्तुत करनी होगी।
14. ऐसे मामले में जहां एक हितबद्ध पक्ष पहुंच के लिए इन्कार कर देता है, पर्याप्त अवधि के भीतर आवश्यक सूचना उपलब्ध नहीं कराता है, या जांच में महत्वपूर्ण बाधा डालता है, नामोदिष्ट प्राधिकारी उसको उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने निष्कर्षों को रिकार्ड कर सकता है और केन्द्रीय सरकार को वैसी सिफारिशें कर सकता है जैसी उसे उचित लगे।

दीपक चटर्जी, नामोनिर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE

Notification

New Delhi, the 20 December, 1996

Subject : Initiation of anti dumping investigations, concerning import of Newsprint from the United states of America, Canda and Russia.

21/ADD/96 Indian Newsprint Manufacturers Association has filed a petition in accordance with the Customs Tariff (Amendment) Act 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules 1995 before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) alleging dumping of Newsprint and requested for anti dumping investigation and levy of anti-dumping duty.

2) **Petitioner :** The petition has been filed by Indian Newsprint Manufacturers Association, D-165, Defence Colony, New Delhi 110024. the Petitioner account for majority production in India and has a standing to file a written request on behalf of domestic industry under the rules aforesaid.

3) **Products Involved :** The product involved in the present investigation is standard newsprint, other than glazed newsprint, originating in or exported from the United States of America, Canada or Russia. Newsprint is classified under custom code 48.01 of the Customs Tariff Act. The classification is, indicative only and is in no way binding on the present investigation.

4) **Like article :** The petitioner has submitted that the article manufactured by the Domestic Industry is a like article to the product involved.

5) **Normal Value :** The petitioner has provided sufficient prima facie evidence to show domestic prices in North America, based on the prices published in leading journals. It has been pleaded that these prices should be considered as Normal Value

prevailing for USA and Canada. As regards Russia, the petitioner has pleaded that since the Normal Value prevailing in the domestic market of Russia is not available, the Normal Value should be constructed on the basis of cost of production as envisaged under Section 9A (c)(b).

6) **Export Price** : The petitioner has worked out export price as per statistics complied by DGCI &S, Calcutta and has supplemented this with the information complied from the Customs Daily List. there is sufficient prime facie evidence with regard to the Export Price of the said countries to India.

7) **Dumping** : There is sufficient prima facie evidence that Export Price to India from the said countries was lower than the Normal Value in the said countries, the subject goods are, prima facie, being dumped by the exporters from the said countries.

8) **Injury** : The various parameters relating to injury such as quantum of imports in absolute terms, market share, import price from the said countries and various indicators affecting domestic industry such as production, sales selling prices, stocks, profit and loss, collectively and cumulatively, prima facie, indicate that the domestic industry has suffered material injury. The petitioner has claimed that most of its member companies have curtailed production and M/s NEPA Ltd. and Aurangabad Paper Mills Ltd. have stopped their production.

9) There is prima facie evidence that the imports of the subject goods originating in or exported from the said countries are causing material injury to the domestic industry.

10) **Initiation of Anti Dumping Investigation** : The Designated Authority, therefore, initiates anti dumping investigation into the existence, degree and effect of alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the said Countries.

11) The period of investigation for the purpose of present investigation is April, 1996 to Oct., 1996

12) **Submission of information** : The exporters in the said countries and importers in India known to be concerned are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and make their views known to Shri Dipak Chatterjee, designated Authority, Ministry of Commerce, Room No. 243, Udyog Bhawan, New Delhi-110011.

13) Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below.

14) **Time Limit** : Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are however, required to submit the information within forty days from the date of letter addressed to them separately.

15) In a case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Designated Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

DIPAK CHATTERJEE, Designated Authority

